महिला सुरक्षा, साइबर जागरूकता, जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

» सद्भावना का प्रतीक

श्रावस्ती । मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत जनपदभर में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता को सशक्त बनाने की दिशा में श्रावस्ती पुलिस द्वारा व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए गए।

इस अभियान के तहत थाना कोतवाली भिनगा, इकौना, गिलौला, सिरसिया, हरदतनगर गिरंट, मल्हीपुर, सोनवा, महिला थाना एवं नवीन मॉडर्न थाना सहित शक्ति मोबाइल टीमों ने जनपद के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों, विद्यालयों, , ग्राम सभाओं, स्वयं सहायता समूहों, पंचायत भवनों और सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण का संदेश दिया। कार्यक्रमों में महिलाओं, बालिकाओं, छात्राओं, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, आशा बहुओं, स्वयं सहायता समूहों की सदस्याओं तथा स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।अभियान के अंतर्गत जनसंवाद, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, साइबर अपराध जागरूकता कार्यशालाएं, सामुदायिक संवाद गोष्ठियां एवं नारी सशक्तिकरण परिचर्चाएं आयोजित की गईं।

प्रतिभागियों को सुरक्षित जीवनशैली, डिजिटल सुरक्षा, सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग, महिला अधिकारों एवं सरकारी योजनाओं की व्यावहारिक जानकारी दी गई। कार्यक्रमों में महिलाओं को यह बताया गया कि किसी भी संदिग्ध कॉल या लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी या बैंक विवरण साझा न करें, और किसी भी साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें। साथ ही महिला हेल्पलाइन 1090, महिला सहायता 181, आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवा 108, बाल हेल्पलाइन 1098 तथा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के उपयोग की जानकारी भी दी गई।

महिला बीट अधिकारियों एवं मिशन शक्ति टीमों द्वारा आयोजित आत्मरक्षा प्रशिक्षण सत्रों में प्राथमिक सुरक्षा तकनीकें, संकट की स्थिति में प्रतिक्रिया के उपाय, और शांत रहकर निर्णय लेने के तरीके सिखाए गए। कार्यक्रमों में महिलाओं को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, मिशन शक्ति अभियान तथा महिला स्वयं सहायता समूह योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

इन योजनाओं को महिलाओं के शिक्षा, सुरक्षा, रोजगार एवं सम्मान के सशक्त माध्यम के रूप में रेखांकित किया गया जनसंपर्क,पम्पलेट वितरण, संवाद सत्रों, तथा सोशल मीडिया अभियानों के माध्यम से महिला सुरक्षा एवं सम्मान का संदेश पहुंचाया गया।यह अभियान न केवल सुरक्षा का संदेश दे रहा है, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में ठोस कदम साबित हो रहा है।